भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक का कार्यालय द्वारा पंजीकृत संख्या UTTHIN/2015/66525

E-mail: amarujiyara@gmail.com

अमर उजियारा

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–11 अंक–12 सोमवार, 08 सितम्बर 2025 हल्द्वानी (नैनीताल) मूल्य 5/– रुपया पृष्ठ 8

महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पण के साथ कार्य करती रहेगी सरकार: मुख्यमंत्री

देहरादून। सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में आयोजित राज्य स्त्री शक्ति, तीलू रौतेली एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 13 महिलाओं को तीलू रौतेली पुरस्कार और 33 आंगनवाड़ी कार्यकर्तात्रियों को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीरांगना तीलू रौतेली को नमन करते हुए कहा कि, तीलू रौतेली ने महज 15 वर्ष की उम्र में अपने रण कौशल से विरोधियों को परास्त किया। जिस उम्र में बच्चे खेलना, कूदना और पढ़ना सीखतें हैं, उसी उम्र में तीलू रौतेली ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया। इसलिए वीरांगना तीलू रौतेली को उत्तराखंड की झांसी की रानी कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नारी तू नारायणी के मंत्र के साथ मातृशक्ति के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहे है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की बात हो या बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी योजना, केंद्र सरकार हर तरह से महिलाओं को सशक्त बना रही है, इसी तरह ट्रिपल तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त करके भी प्रधानमंत्री मोदी ने देश की महिलाओं को सामाजिक तौर पर मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार भी मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने जहां महिलाओं के लिए सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया है। वहीं महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए देश में सर्वप्रथम समान नागरिक संहिताह्व को लागू करने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना और उद्यमिता विकास कार्यक्रम जैसी योजनाओं के माध्यम से भी मातृशक्ति को सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान किया जा रहा है। राज्य सरकार ने वर्ष 2023 से तीलू रौतेली पुरस्कार राशि 31 हजार रुपए से बढ़ाकर 51 हजार और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार धनराशि 21 हजार रुपए से बढ़ाकर 51 हजार कर दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के शुरूआती चरण के विकास में आंगनवाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्रामीण इलाकों में माता-पिता के बाद बच्चों को संस्कार और प्रारंभिक शिक्षा देने की शुरूआत आंगनवाड़ी केंद्रों से ही होती है। उनके दोनों बच्चों ने भी अपनी प्रारंभिक शिक्षा और संस्कार आंगनवाड़ी से ही प्राप्त किए हैं। इसलिए राज्य सरकार ने आंगनवाड़ी, मिनी आंगनवाड़ी बहनों और सहायिकाओं को सशक्त बनाने के लिए उनके मानदेय में वृद्धि की है। पहले जहां आंगनवाड़ी बहनों को 7500 रुपए का मानदेय मिलता था, उन्हें अब 9300 रुपए कर दिया गया है। इसी तरह अब मिनी आंगनवाड़ी को 4500 के बजाय 6250 और सहायिकाओं को 3550 के बजाय 5250 रुपए का मानदेय मिलता है। इसके साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकताओं को सुपरवाइजर के पद पर पदोन्नति दिए जाने का भी प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगे भी महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए पूरी शक्ति, निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य की महिलाओं के पास क्षमता और योग्यता की कमी नहीं है। महिला स्वयं सहायता समूहों के बनाए हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद, बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भी मात दे रहे हैं। इसलिए वो हमेशा महिला समूहों को प्रोत्साहन देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा केदार की धरती से कहा था कि, 21वीं शताब्दी का तीसरा दशक, उत्तराखंड के नाम होने जा रहे हैं, इस क्रांति में महिला

समूहों की अहम भूमिका होने जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे यह कार्यक्रम पहले आठ अगस्त को आयोजित होना था, लेकिन आपदा के कारण तब आयोजन संभव नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश इस समय आपदाओं से घिरा हुआ है, सरकार आपदा प्रभावितों तक हर संभव तरीके से पहुंचने का प्रयास कर रही है, इस काम में केंद्र सरकार का भी सहयोग मिल रहा है।

इस मौके पर विभागीय मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महिलाओं के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। आगंनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ाने का एतिहासिक कार्य भी धामी सरकार ने किया। आयोजन में विधायक खजान दास, सचिव चंद्रेश कुमार, निदेशक बंशीलाल राणा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।

इन्हें मिला तीलू रौतेली पुरस्कार: अल्मोडा से मीता उपाध्याय, बागेश्वर से अलिशा मनराल, चमोली से सुरभि, चम्पावत से अनामिका बिष्ट, देहरादून से शिवानी गुप्ता, हरिद्वार से रूमा देवी, नैनीताल से नैना, पौड़ी गढ़वाल से रोशमा देवी, पिथौरागढ से रेखा भट्ट, रूद्रप्रयाग से हेमा नेगी करासी, टिहरी गढवाल से साक्षी चौहान, ऊधमसिंह नगर से रेखा और उत्तरकाशी से विजयलक्ष्मी जोशी।

मेडल और डिग्रियां पाकर खिल उठे छात्रों के चेहरे

विकासनगर। इक्फाई विश्वविद्यालय के बारहवें दीक्षांत समारोह में बुधवार को मेधावी छात्रों को मेडल एवं डिग्रियां प्रदान की गई। विवि में इस वर्ष मैनेजमेंट, तकनीकि, कानून एवं बीएड में पढ़ाई पूरी कर चुके कुल 581 छात्रों को स्नातक एवं परास्नातक तथा 6 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां प्रदान की गई। मेडल और डिग्रियां पाकर छात्रों के चेहरे खिल उठे। दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य एवं डीआरडीओ के पूर्व चेयरमैन डॉ.जी सतीश रेड्डी ने तेरह छात्रों को गोल्ड मेडल, बारह छात्रों को सिल्वर एवं तेरह को ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट विभाग में कुल 105, विधि विभाग में 326, इंजीनियरिंग विभाग में 60 एवं बीएड विभाग में कुल 90 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं।

डॉ रेड्डी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दौर बदलते भारत का दौर है। हम बहुत तेजी से विकासशील राष्ट्र से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर हो रहे हैं। ऐसे में छात्रों को अपनी सोच को अधिक विस्तृत करना चाहिए। कहा कि छात्र अपने जीवन में बड़ा तभी कर सकते हैं, जब वे अपने लक्ष्य बड़े निर्धारित करेंगे। दीक्षांत समारोह में मौजूद विवि के चांसलर डॉ. उदय बी देसाई ने कहा कि वे ऐसे दौर में अपना करिअर बना रहे हैं, जहां टेक्नोलॉजी हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उपयोगिता हासिल कर चुकी है। आज टेक्नोलॉजी ने संभावनाओं के अनगिनत द्वार खोले हैं। लेकिन छात्रों को टेक्नोलॉजी को शासित करना चाहिए न कि टेक्नोलॉजी को खुद के ऊपर हावी होने देना चाहिए। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मानसिक रूप से पूरी उम्र छात्र रहकर सीखते रहना चाहिए। विवि के कुलपति डॉ राम करन सिंह इक्फाई विवि द्वारा शिक्षा, शोध एवं सामाजिक क्षेत्र में किए गए कार्यों के बारे जानकरी दी।

डॉ सिंह ने बताया कि इक्फाई विवि आज शोध के क्षेत्र में बेहतर योगदान दे रहा है। बड़ी संख्या में विवि से शोधपत्र राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। समारोह के अंत में विवि के रजिस्ट्रार डॉ रमेश चंद्र रमोला ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। दीक्षांत समारोह में इक्फाई विवि के विभिन्न विभागों के डायरेक्टर, डीन, प्रोफेसर सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र मौजूद रहे।

6 शोधार्थियों को मिली पीएचडी की डिग्री दीक्षांत समारोह में छह शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। जिसमें चार शोधार्थी टेक्नोलॉजी एक एजुकेशन एवं एक कानून के क्षेत्र में अपना शोध कार्य कर रह रहे थे। डॉ अमित दस, डॉ अमित कुमार बेरा, डॉ वीरेन्द्र राणा, डॉ मोहित आर्या ने इंजीनियरिंग व तकनीकि, डॉ मोनिका कोठियाल ने कानून एवं डॉ स्वाती रतूरी ने एजुकेशन के क्षेत्र में अपना शोध कार्य पूर्ण कर पीएचडी की डिग्री दीक्षांत समारोह में हासिल की।

सम्पादकीय

मोदी सरकार की संकल्प-शक्ति का इम्तहान

बेशक, स्वस्थ स्थिति यह होगी कि ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री में रोजगार-शुदा लोगों के पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए। लेकिन उसे पूर्व शर्त बना कर इस कारोबार से करोड़ों की बदहाली बढ़ाते जाना किसी स्वस्थ समाज को मंजूर नहीं हो सकता।

ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री का बड़ा हिस्सा संगठित जुआ बना हुआ है। इसलिए इसे प्रतिबंधित करने के लिए लाए गए विधेयक को देर से, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम माना जाएगा। यह भी स्वागतयोग्य है कि इसके दायरे में उन ऑनलाइन गेम्स को नहीं रखा गया है, जिसमें पैसे का लेन-देन नहीं होता। बहरहाल, इस इंडस्ट्री से बहुत बड़े स्वार्थ जुड़े हुए हैं। इसलिए बिल पारित होने के बाद भी प्रस्तावित कानून के प्रभावी ढंग से लागू हो पाने को लेकर आशंकाएं बरकरार हैं। गेमिंग इंडस्ट्री इसे न्यायपालिका में चुनौती देने की तैयारी में है। इसके अलावा उसने प्रोमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के खिलाफ सरकार और अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए बड़े पैमाने पर लॉबिंग शुरू कर दी है।

इसलिए प्रस्तावित कानून को लागू करना नरेंद्र मोदी सरकार की संकल्प-शक्ति का एक बड़ा इम्तहान होगा। खुद सरकार ने बताया है कि देश के युवाओं में ऑनलाइन गेमिंग की लत बढ़ती चली गई है। इस कारण हर साल 45 करोड़ लोग पैसा गंवाते हैं। ऑनलाइन गेम में पैसा लगाने के लिए घरों के भीतर कलेश और हिंसा के मामले बढ़ते चले गए हैं। कई आत्म-हत्याओं की खबरें भी हर साल आती हैं। लोगों की इसी बदहाली की कीमत पर गेमिंग इंडस्ट्री फूल-फल रही है। उसके संचालकों का दावा है कि यह कारोबार इतना बड़ा हो चुका है कि इस इंडस्ट्री में दो लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है।

इस कारोबार के जरिए इंडस्ट्री हर साल 20 हजार करोड़ रुपए का टैक्स सरकार को देती है। मगर सरकार को ऐसी दलीलों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। फिलहाल उसने राजस्व पर सामाजिक हित को तरजीह देने का रुख लिया है, जिस पर उसे कायम रहना चाहिए। सामाजिक बुराई को फैलाने वाले हर कारोबार से कुछ लोगों की रोजी-रोटी चलती है। बुराई को जब कभी रोका जाएगा, ऐसे लोगों को नुकसान होगा। बेशक, स्वस्थ स्थिति यह होगी कि उनके पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए, लेकिन उसे पूर्व शर्त बना कर जुआ जैसे कारोबार से करोड़ों की बदहाली बढ़ाते रहना किसी स्वस्थ समाज को कतई मंजूर नहीं हो सकता।

जिला टेलीकॉम समिति की बैठक में नेटवर्क को सुदृढ़ करने पर हुई चर्चा

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में जिला टेलीकॉम समिति की बैठक आयोजित की गई। जिला कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक में जनपद में बीएसएनएल के नेटवर्क को सुदृढ़ करने, विभिन्न योजनाओं के तहत संचार कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन करने तथा लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बीएसएनएल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई संचार योजनाओं को धरातल पर उतारकर लोगों को अच्छी और गुणवत्ता परक सुविधाएं उपलब्ध कराएं।

बैठक में इन्वेस्ट उत्तराखंड पोर्टल, भारत नेट परियोजना, 4 जी सैचुरेशन समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई तथा जिलाधिकारी ने इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ने बैठक में बताया कि इन्वेस्ट उत्तराखंड पोर्टल पर वर्तमान तक 256 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें सभी आवेदनों का निस्तारण कर लिया गया है। इन आवेदनों में 243 आवेदन स्वीकृत किए गए, 1 आवेदन अस्वीकृत किया गया तथा 12 आवेदन लौटाए गए हैं। भारत नेट परियोजना के अंतर्गत आच्छादित हवालबाग तथा ताकुला विकासखंड की ग्राम पंचायतों की कुल संख्या 218 है।

इन ग्राम पंचायतों ने कनेक्टिविटी अपग्रेडेशन का कार्य गतिमान है। अन्य 9 विकासखंडों में भारत नेट परियोजना के अंतर्गत इंटरनेट कनेक्टिविटी से आच्छादित किया जाना है। जिलाधिकारी ने संबंधितों को निर्देशित किया कि योजनाओं का कार्य पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारा जाए तथा लोगों को अच्छी एवं गुणवत्ता परक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में अपर जिलाधिकारी सीएस मर्तोलिया, पुलिस उपाधीक्षक राजीव कुमार टम्टा, सहायक महाप्रबंधक बीएसएनएल राजेंद्र रैना, टेलीकॉम ऑफिसर हरीश चंद्र तिवारी, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर पवन सिंह खड़ाई समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

चरणबद्ध और विभागीय समन्वय से हो ज्योतिर्मठ नगर क्षेत्र में सीवरेज और ड्रेनेज के कार्य

चमोली। तिर्मठ नगर क्षेत्र के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा कार्यों के तहत जल निकासी एवं सीवरेज प्रणाली हेतु तैयार विस्तृत डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी कार्यालय के वीसी कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने निर्देश दिए कि ज्योतिर्मठ क्षेत्र में जल निकासी, सीवरेज कार्य एवं सुरक्षात्मक निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भू-वैज्ञानिकों एवं संबंधित विशेषज्ञों की रिपोर्ट का अवलोकन अवश्य करें।

उन्होंने कार्यदायी संस्था उत्तराखंड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी (यूयूएसडीए) को पीडब्ल्यूडी विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि एक विभाग का कार्य दूसरे विभाग के कार्यों में बाधा न बने।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सीवरेज और ड्रेनेज कार्य से प्रभावित परिवारों, स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न स्टेकहोल्डरों से संवाद स्थापित कर किए जाएं।जिलाधिकारी ने ज्योर्तिमठ में हॉलिस्टिक अप्रोच के साथ सीवरेज और ड्रेनेज के कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम ज्योतिर्मठ को आर्मी,आइटीबीपी और बीआरओ के साथ भी कार्यदायी संस्था यूयूएसडीए की मीटिंग कराने के निर्देश दिए । यूयूएसडीए के प्रोजेक्ट मैनेजर जतिन सिंह सैनी ने बताया कि ज्योतिर्मठ नगर क्षेत्र में जल निकासी, पेयजल आपूर्ति और सीवरेज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत डीपीआर तैयार की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व में कार्यदायी संस्था जल निगम द्वारा तैयार डीपीआर में एडवांस स्टडीज और स्थल निरीक्षण जोड़कर इसे और अधिक सुदृढ़ रूप दिया गया है।

इस अवसर पर यूयूएसडीए के प्रोग्राम डायरेक्टर अभिषेक रुहेला, परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी,एसडीएम ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी राजेश चंद्रा तथा यूयूएसडीए टीम के अन्य सहायक सदस्य भी उपस्थित रहे।

शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर किया अध्यापन कार्य

काशीपुर। राजकीय शिक्षक संघ शिक्षकों की हड़ताल के तहत ब्लॉक काशीपुर के समस्त विद्यालयों में अध्यापकों के द्वारा बुधवार को बांह में काली पट्टी बांधकर अध्यापन का कार्य किया गया ' 18 अगस्त 2025 से शिक्षकों की हड़ताल चॉक डाउन के रूप में चल रही थी, लेकिन 30 अगस्त को विद्यालयों से शिक्षकों के द्वारा चॉक डाउन हड़ताल वापस लेकर, कक्षा कक्ष में बच्चों को शिक्षण कार्य शुरू करवा दिया गया है ' ब्लॉक मंत्री जमुना पटवाल ने बताया कि प्रदेश में इस समय बारिश के कारण बहुत ज्यादा आपदा आई है ' इसलिए प्रांतीय नेतृत्व के द्वारा एक सितंबर से शिक्षा निदेशालय में जनपदवार हो रही हड़ताल को स्थगित कर दिया गया है, और यह कार्यक्रम 12 सितंबर से दोबारा चलेगा ' साथ में यह बताया कि सरकार हमारी मांगों के प्रति बिल्कुल भी संवेदनशील नहीं है। कहा कि पदोन्नति न होने से शिक्षकों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। कहा कि जब तक शिक्षकों की मांगें नहीं मानी जाती आंदोलन जारी रहेगा।

त्रियुगीनारायण में वामन द्वादशी का मेले में उमड़े श्रद्धालु

रुद्रप्रयाग। ऊखीमठ ब्लॉक के सीमांत ग्राम पंचायत त्रियुगीनारायण में वामन द्वादशी मेला धूमधाम से मनाया गया। पहले दिन मंदिर में पुजारियों ने पूजा अर्चना के बाद भगवान नारायण तथा भैरवनाथ की मूर्तियों को जमाण डोली में सजाकर रात्रि चार पहर की पूजा की। वामन द्वादशी मेले का मुख्य आकर्षण भगवान नारायण एवं क्षेत्रपाल भगवान की मूर्ति को चांदी की थाल में सजाकर आम भक्तों के दर्शनार्थ मंदिर गर्भगृह से बाहर लाया गया।

ग्राम शेरसी के नौटियाल परिवार भगवान की थाल को सिर में रखकर ब्राह्मणों व पुरोहितों के मंत्रोच्चार के साथ मंदिर की 21 परिक्रमाएं की। इसके बाद रात्रि जागरण उपवास पर बैठी निसंतान दंपतियों को भगवान नारायण व भैरवनाथ के पश्वा आशीर्वाद स्वरूप फल प्रदान करते हैं। मेले का मुख्य आकर्षण ग्राम वासियों द्वारा जंगल से मोरू की झाखडियां (लंबी डालें) लाना है। मेले में कई निसंतान दंपति मेले की पूर्व रात्रि में संतान की प्राप्ति हेतु उपवास करते हैं। इस वर्ष भारी बारिश से सड़क मार्ग जगह जगह बाधित रहने से इनकी संख्या 10 ही थी।

पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश का असर वामन द्वादशी मेले पर भी देखने को मिला। श्रद्धालुओं की संख्या विगत वर्षों के मुकाबले काफी कम रही। सोनप्रयाग त्रियुगीनारायण मोटर मार्ग जगह जगह भू स्खलन से खतरों भरा बना हुआ है। जिसे लेकर भक्त सफर करने से बचे। इस स्थान पर भगवान नारायण की बारह मास पूजा अर्चना की जाती है।

इस मौके पर मठापति परशुराम गैरोला, भगवान नारायण के पश्वा आचार्य रामकृष्ण जमलोकी, ग्राम प्रधान रुचि देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य सुमन देवी, सच्चिदानंद पंचपुरी, राजेश भट्ट, दिवाकर गैरोला, भक्त दर्शन, विजय धिल्डियाल, सवेर्शानंद भट्ट, अंकित गैरोला, अमन गैरोला, कैलाश गैरोला, मित्रानंद भट्ट, रजनीश गैरोला, सूर्य प्रसाद, शिव प्रसाद सेमवाल, रमेश भट्ट सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं भक्त मौजूद थे।

झबरेड़ा नगर पंचायत में हाउस टैक्स दस फीसद बढ़ा, तह बाजारी समाप्त

रुड़की। नगर पंचायत झबरेड़ा में गुरुवार को आयोजित बोर्ड बैठक में कस्बे की क्षतिग्रस्त सड़कों और नालियों के निर्माण के लिए लगभग एक करोड़ रुपये के प्रस्ताव पारित किए गए हैं। फल-सब्जी की ठेली और रेहड़ी लगाने वालों पर लगने वाली तहबाजारी समाप्त कर दी गई है।

बैठक में नगर पंचायत की एम्बुलेंस सेवा और बारात घर के किराये में भी कटौती की गई है। वहीं, कस्बेवासियों पर हाउस टैक्स में 10 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई है। बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी ने की जिसमें सभी सभासद मौजूद रहे। किरण चौधरी ने बताया कि गृह कर बढ़ाने का यह प्रस्ताव सभी सभासदों की सहमति से पारित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही कस्बेवासियों को नोटिस जारी कर आपत्तियां मांगी जाएंगी।

प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई के बाद ही गृह कर वृद्धि को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में अधिशासी अधिकारी हर्षवर्धन रावत सहित सभासद जसवीर सिंह, सलमान, सत्तार, अनुज सैनी, नीतीश सिंघल, शुभम गोयल, मोहम्मद मन, ओमपाल सिंह, राजेंद्र कुमार और अभिषेक शर्मा उपस्थित रहे।

रामगंगा नदी में डूबे भाईयों का दूसरे दिन भी सुराग नहीं लगा

काशीपुर। भूतपुरी की रामगंगा नदी में डूबे मोहल्ला नत्थासिंह निवासी धर्मेंद्र कुमार और बिजेंद्र कुमार का दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं लग सका। स्थानीय गोताखोर एवं एसडीआरएफ की टीमें उन्हें पानी में खोज रही हैं। वहीं, दोनों भाइयों के डूबने से परिवार परेशान है ।

मंगलवार को मोहल्ला नत्थासिंह निवासी धर्मेंद्र कुमार और बिजेंद्र कुमार पुत्र करन सिंह मोहल्ले के लोगों संग गणेश प्रतिमा को लेकर विसर्जित करने को भूतपुरी, अफजलगढ़ की रामगंगा नदी में उतरे थे। प्रतिमा विर्सजन के दौरान गहरे गड्ढे में जाने पर दोनों भाई बह गए। मंगलवार को देर शाम तक उनकी खोजबीन चलती रही। बुधवार को सुबह से ही उनको फिर से तलाशा गया। देर शाम तक उनका पता नहीं लग सका।

उधर, हादसे की जानकारी मिलने पर विधायक आदेश चौहान भूतपुरी पहुंचे तथा परिजनों को ढांढस बंधाकर एसपी बिजनौर से डूबे भाइयों को तेजी से तलाश करने को कहा। भाजपा नेता खड़क सिंह, शीतल जोशी भी अपने समर्थकों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों से मिलकर उन्हें सरकार एवं अपनी ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। विधायक ने बताया कि डूबे भाइयों की तलाश को एसपी से वार्ता कर कार्य में तेजी लाने को कहा है।

गर्भवती महिला की मौत के मामले में परिजनों को दिलाया निष्पक्ष जांच कर भरोसा

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गोपेश्वर जिला चिकित्सालय में प्रसव के दौरान हुई महिला की मौत का संज्ञान लेते हुए बुधवार को चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से घटना की पूरी जानकारी ली। वहीं इस दौरान उन्होंने मृतका के परिजनों से वार्ता कर मामले की निष्पक्ष जांच कराने का भरोसा दिलाया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. अनुराग धनिक को चिकित्सालय में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने चिकित्सालय में तैनाती सभी अधिकारी कर्मचारियों व्यवहार में सौम्यता रखते हुए उपचार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मामले में जहां मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए गए हैं। वहीं मृतका के पोस्टमार्टम की विडियो बनाई गई है। साथ ही मामले की उच्च स्तरीय चिकित्सा समिति की जांच को लेकर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने मृतका के परिजनों को मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडेय, पूर्व नगर पालिका सभासद नवल भट्ट, अंकोला पुरोहित, शांति राणा, गोविंद सजवाण सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रेशम कीट बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बना उत्तराखण्ड : गणेश जोशी

देहरादून। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य में रेशम कीट बीज उत्पादन कार्यों को गति देते हुए विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। गत वर्ष में विभाग द्वारा 312 मीट्रिक टन शहतूत कोया, 55,352 ओकटसर कोया तथा 10 हजार किग्रा एरी रेशम कोये का उत्पादन किया गया, जिससे लगभग 9 हजार कृषक परिवार लाभान्वित हुए। उन्होंने बताया कि राज्य निर्माण से अब तक रेशम विभाग कीटबीज उत्पादन के लिए केन्द्रीय रेशम बोर्ड, भारत सरकार पर निर्भर था, जिस पर भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती थी। लेकिन वर्तमान में विभाग ने बसंत फसल में ही 7 लाख डीएफएल्स का उत्पादन कर आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली है। अब उत्तराखण्ड अन्य राज्यों को भी कीटबीज की आपूर्ति करने में सक्षम है।

विभागीय मंत्री गणेश जोशी के निदेर्शों पर विभाग द्वारा 13.91 करोड़ रुपये का प्रस्ताव केन्द्रीय रेशम बोर्ड को भेजा गया था। इस प्रस्ताव के अंतर्गत शहतूत एवं वन्या रेशम क्लस्टरों की स्थापना हेतु मंजूरी मिल चुकी है। अभी तक एक शहतूती और एक वन्या क्लस्टर के लिए 3 करोड़ रुपये का आवंटन प्राप्त हो चुका है, जबकि शेष 4 क्लस्टरों के लिए शीघ्र ही धनराशि उपलब्ध होगी। इन क्लस्टरों से प्रदेश के 450 परिवारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और किसानों की आय बढ़ेगी।

ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के अंतर्गत गत वर्ष 13 जनपदों में 300 महिला लाभार्थियों का चयन कर 90 हजार शहतूती पौधों का रोपण किया गया। इन लाभार्थियों को ककून क्राप्ट एवं रेशम धागाकरण का प्रशिक्षण देकर रेशम उत्पादन से जोड़ा जा रहा है।

जनपद पौड़ी के यमकेश्वर विकास खंड में देवभूमि रेशम किसान संगठन द्वारा 300 एकड़ भूमि पर शहतूत वृक्षारोपण किया गया है, जिससे 600 किसान रेशम कीटपालन से जुड़े हैं। भविष्य में इस क्षेत्र में रेशम धागाकरण एवं वस्त्रोपादन कार्य भी प्रस्तावित है, जिससे स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा।

उत्तराखण्ड को–ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन के अंतर्गत ग्रोथ सेंटर सेलाकुई में तीन पावरलूम स्थापित कर प्रदेश में रेशमी साड़ियों का उत्पादन शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2024–25 में 45 हजार मीटर वस्त्र का उत्पादन किया गया है। आगामी वर्ष 2025–26 में देहरादून में सिल्क मार्क ऑफ इंडिया के सहयोग से ह्यरेशम घरह्ल की स्थापना प्रस्तावित है। साथ ही सितम्बर माह में देहरादून में सिल्क एक्सपो का आयोजन भी किया जाएगा।

शिक्षा में पीजीआई रैंकिंग सुधार को उच्च स्तरीय समिति गठित

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा में प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक (पीजीआई) रैंकिंग सुधार को राज्य स्तर पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि ये समिति रैंकिंग के लिये निर्धारित सूचकांकों में सुधार को ठोस कार्य योजना तैयार करने के साथ ही उनका मूल्यांकन भी करेगी। ब्लॉक स्तर पर यू–डायस की मॉनिटिरिंग को खण्ड शिक्षा अधिकारियों को नोडल बनाया गया है। जो हर सप्ताह यू–डायस की समीक्षा कर आंकड़ों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करेंगे।

ताकि राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रैंकिंग हासिल की जा सके। शिक्षा मंत्री ने बताया कि पीजीआई रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड को शीर्ष राज्यों की श्रेणी में शामिल करने को विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। यह समिति पीजीआई रैंकिंग में सुधार को अपने–अपने सुझाव देगी। ताकि उन सुझावों को प्रदेश भर में लागू किया जा सके। समिति से प्राप्त सुझावों को मुख्य शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सभी जनपदों में लागू कराया जायेगा। राष्ट्रीय स्तर पर पीजीआई रैंकिंग को मुख्य रूप से छह डोमिन बनाये गए हैं। दक्ष कर्मियों की कमी का पड़ रहा है असर इस मामले में विभागीय अधिकारियों का तर्क है कि दक्ष कार्मिकों के अभाव में जिलों से यू–डाइस पर प्राप्त सूचनाओं में कमी रह जाती है।

इसका प्रभाव सीधे–सीधे पीजीआई रैंकिंग पर पड़ता है। इसी पहलू को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ब्लॉक स्तर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी को यू–डाइस का नोडल नामित किया गया है। संबंधित बीईओ अपने–अपने क्षेत्र में आने वाले सभी विद्यालयों, शिक्षकों व छात्र–छात्राओं से संबंधित सही आंकड़े यू–डाइस पर दर्ज करायेंगे। ताकि राष्ट्रीय स्तर पर राज्य की पीजीआई रैंकिंग में उत्साहजनक सुधार लाया जा सके। इन्हें समिति में किया गया शामिल समिति में निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, निदेशक प्राथमिक शिक्षा, अपर राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा, मुख्य शिक्षा अधिकारी ऊधमसिंह नगर, अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा कुमाऊं मण्डल, उप निदेशक नियोजन माध्यमिक शिक्षा, प्राचार्य डायट बड़कोट, उप राज्य परियोजना निदेशक नियोजन समग्र शिक्षा, खण्ड शिक्षा अधिकारी जयहरीखाल व कपकोट और उप शिक्षा अधिकारी पाटी को शामिल किया गया है। 650 अंक प्राप्त करने का रखा लक्ष्य कुल 1000 अंकों में से राष्ट्रीय रैंकिंग का निर्धारण किया जाता है। वर्ष 2023–24 में उत्तराखंड ने 1000 में से 526.30 अंक प्राप्त किये। विभाग ने वर्ष 2025–26 में 615 अंक प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

वर्ष 2026–27 के लिये 650 अंकों का लक्ष्य रखा है। केंद्र हर वर्ष पीजीआई रैंकिंग जारी करता है। इससे हर राज्य में संचालित विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता का आंकलन होता है। समीक्षा में पाया गया है कि विद्यालयी स्तर से यू–डायस पर भरे जाने वाले आंकड़ों में कई कमियां रही हैं। इससे राज्य को कई अंकों का नुकसान हुआ। सही आंकड़ो को दर्शा कर सुधार किया जा सकता है। इसी उद्देश्य के साथ विभागीय अधिकारियों की एक राज्य स्तरीय कमेटी गठित कर राज्य को शीर्ष राज्यों में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। डॉ. धन सिंह रावत, शिक्षा मंत्री

मोरी और पुरोला की बीडीसी बैठक में समस्याओं को सदन में रखा

उत्तरकाशी। विकासखंड पुरोला व मोरी की क्षेत्र पंचायत की प्रथम बैठक गुरुवार को बड़े ही उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ क्षेत्र पंचायत प्रमुख निशिता शाह व सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने वैदिक परंपरा के अनुसार हवन व पूजा–अर्चना कर किया। इसके बाद औपचारिक रूप से सदन की कार्यवाही की शुरूआत की गई। बैठक में नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रधान तथा विकासखण्ड के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

खण्ड विकास अधिकारी ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को विभागवार योजनाओं और वर्तमान में चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अपना परिचय देते हुए अपने क्षेत्रों की जमीनी समस्याओं एवं विकास की प्राथमिकताओं को सदन के समक्ष रखा। सदस्यों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, सिंचाई, बिजली व कृषि को प्राथमिकता से समाधान का संकल्प लिया साथ ही कई सदस्यों ने आपदा प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों की स्थिति पर भी ध्यान आकर्षित किया। क्षेत्र पंचायत प्रमुख निशिता शाह ने सभी सदस्यों को विधिवत कार्यकाल सुरु होने पर बधाई देते हुए कहा कि पंचायत का लक्ष्य विकासखंड स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी और समयबद्ध करवाना रहेगा।

वंही सभी निवाचित पंचायत प्रतिनिधियों ने सामूहिक सहयोग से प्रखंड के विकास कार्यों को गति देने का संकल्प लिया। बैठक में प्रमुख इशिता शाह सहित जेष्ठ प्रमुख महावीर रावत, बीडीओ सुरेश चौहान, सहायक विकास खण्ड अधिकारी, अनिल पँवार,मनीष, भंडारी,ओमवीर रावत, रविन्द्र चौहान,मनमोहन नौटियाल,देवराज भंडारी,पवन तोमर,सुमित्रा चौहान, तनुजा पंवार, पुष्पा, सतपाल, प्रियंका, पवित्रा, रुकम सिंह राणा, नवीन कुमार, मीना देवी, आँचल दौरियाल, रोबिन सिंह आदि अधिकारी कर्मचारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सीडीओ ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए

चमोली। मुख्य विकास अधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की समीक्षा बैठक विकास भवन कार्यालय में आयोजित की गयी। उन्होंने सम्बंधित विभागों, आर्मी और आईटीबीपी को आपसी समन्वय से सीमांत गाँवों के विकास कार्यों को बढ़ावा देने की बात कही। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने–अपने कार्यों की समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करें और विभाग आपसी समन्वय से गांवों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

सीडीओ ने एक जॉइंट कैलेंडर तैयार करने के निर्देश दिए, जिसमें विभागवार कराये जा रहें विकास कार्यों की जानकारी दर्ज होगी, जिससे सीमांत गांवो के विकास कार्यों को गति मिलेगी, और कार्यों में दोहराव की समस्या भी नहीं होंगी।

इस दौरान बैठक में उपस्थित परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी ने बताया जनपद में 14 गावों में वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत विकास कार्य किये जा रहें है जिसका उद्देश्य सीमांत गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजन करना तथा गांवों में बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना है। इस योजना के अंतर्गत गांवों में बुनियादी ढांचे का विकास ही नहीं बल्कि स्थानीय संस्कृति, हस्तशिल्प और पर्यटन को भी प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि वाइब्रेंट विलेज के लोग आत्मनिर्भर बन सकें और गांवों से पलायन की समस्या को रोका जा सके।इस दौरान जिला विकास अधिकारी केके पंत, जिला पर्यटन अधिकारी अरविन्द गौड़ सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

वीपीकेएएस में कृषि शोध योग्य मुद्दों और रोडमैप पर परामर्श बैठक

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा में गुरुवार को 'राज्य से संबंधित प्राथमिकताएं कृषि शोध योग्य मुद्दे एवं रोडमैप' विषय पर परामर्श बैठक आयोजित हुई। इस दौरान 3 से 18 अक्टूबर तक होने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। बैठक में निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत ने स्वागत किया और मुख्य अतिथि डॉ. एस. पी. दास, निदेशक, भाकृअनुप–आर्किड अनुसंधान केंद्र, सिक्किम ने पुष्प उत्पादन को किसानों की आयवृद्धि का साधन बताया।

डॉ. अमित पांडे ने मत्स्य पालन, डॉ. ए. एस. नैन ने सोलर घेरबाड़, भूमि चकबंदी और कृषि विविधिकरण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. रमेश सिंह नितवाल ने पशुपालन को कृषि से जोड़ने की जरूरत बताई, जबकि पी. के. सिंह ने कम अवधि वाली फसल प्रजातियों पर शोध की बात कही। अविनाश सिंह ने ट्राउट मत्स्य उत्पादन, संजय काला ने रेशम परियोजनाओं और निपेंद्र चौहान ने सुगंधित पौधों को जंगली जानवरों से बचाव का विकल्प बताया। बैठक में बागवानी, पशुधन, जंगली जानवरों से फसलों की रक्षा, कृषि विविधिकरण और हिमालय संरक्षण जैसे मुद्दों पर विशेषज्ञों ने सुझाव रखे। अंत में डॉ. लक्ष्मी कांत ने प्राप्त विचारों के आधार पर भविष्य का रोडमैप प्रस्तुत किया।

पौड़ी के मनियारस्यूं व ढाईज्यूली में भालू की दहशत बरकरार

पौड़ी। जिले के कल्जीखाल ब्लाक में मनियारस्यूं और थलीसैंण में ढाईज्यूली पट्टी के गांवों में भालू के आतंक से दहशत बनी हुई है। बीते मंगलवार को भी भालू ने ढाईज्यूली में कठयूड गांव में दीवान सिंह की गोशाला में बैल पर हमला कर दिया। उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने थलीसैंण में प्रभावित गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने डीएम पौड़ी और डीएफओ गढ़वाल से दूरभाष पर वार्ता भी की। कहा कि भालू की दहशत से ग्रामीण सहमे हुए हैं। एक दर्जन से अधिक मवेशियों को भालू निवाला बना चुका है। जबकि एक महिला घायल हुई है।

उन्होंने जल्द ही इसको लेकर सख्त कदम उठाने की मांग उठाई। उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने थलीसैंण ब्लाक के भालू प्रभावित कुचोली, कुंडील व सौंठ गांवों का दौरा किया। यहां उन्होंने ग्रामीणों से घटना की विस्तृत जानकारी ली। ग्रामीणों ने इस दौरान अपना दुख खुलकर सांझा किया। बताया कि ग्रामीण रतजगा करने को मजबूर हैं।

कुचोली व कुंडील में भालू के हमले में से ग्रामीण दशहत में थे ही। अब सौंठ में भी भालू के हमले में मवेशियों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि बगेली गांव में भालू के हमले में गणेशी देवी घायल हुई हैं। जिनका उपचार चल रहा है। दूसरी ओर कल्जीखाल के ग्राम दिऊसा स्थित कुस्याण गांव निवासी राकेश चंद्र की गोशाला की छत तोड़कर अज्ञात जानवर द्वारा गाय पर हमला किया गया है। घटना से क्षेत्र में भय का माहौल है। मनियारस्यूं क्षेत्र में पहले भी अज्ञात जानवर की धमक दिखाई दी गई थी।

क्षेत्र के धारी, ओलना में मवेशियों को निवाला बलाया था। बीती रात टोलू गांव में भालू ने एक बछड़े पर हमला किया है। गोदियाल ने बताया कि डीएम ने क्षेत्र में एक और पिंजरा लगाए जाने की अनुमति शासन से मांगे जाने की बात की है।

एक पिंजरा क्षेत्र में पहले से लगा है। लेकिन यह व्यवस्था भालू के आतंक को देखते हुए नाकाफी नजर आ रहा है। कहा कि वन विभाग को क्षेत्र में एक फोर्स तैनात करनी चाहिए।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार से किया सम्मानित

शिक्षक बच्चों में किताबें पढ़ने की आदत विकसित करें और उन्हें खेल, संस्कृति तथा रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें : राज्यपाल

देहरादून। शिक्षक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजभवन में शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने वर्ष-2024 में शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कारों के लिए चयनित 16 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। वर्ष-2024 में चयनित 09 प्रारम्भिक शिक्षक, 05 माध्यमिक शिक्षक, 01 शिक्षक प्रशिक्षक एवं 01 संस्कृत शिक्षक को यह सम्मान प्रदान किया गया है। (सूची संलग्न)

राज्यपाल ने पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे शिक्षक समाज की मेहनत और तपस्या का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले ही नहीं, बल्कि चरित्र, नैतिकता और जीवन मूल्यों के निमार्ता होते हैं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार तक सीमित नहीं होना चाहिए, अध्यापक बच्चों को संस्कारवान, जिम्मेदार और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने में योगदान दें।

राज्यपाल ने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु ही बच्चों के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं और बच्चों का भविष्य सही दिशा में ले जाने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने में शिक्षकों का योगदान निर्णायक रहेगा। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड शिक्षा का एक प्रमुख केन्द्र रहा है, इसलिए हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि हम इस परंपरा को और मजबूत बनाएं।

राज्यपाल ने कहा कि आज के इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में बच्चों को भटकाव से बचाने, उनमें विवेक और सही जीवन-दृष्टि विकसित करने का कार्य भी शिक्षक ही कर सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों में किताबें पढ़ने की आदत विकसित करें और उन्हें खेल, संस्कृति तथा रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने अनुभव, ज्ञान और परिश्रम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य को संवारने की शिक्षकों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। मुख्यमंत्री ने शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शैलेश मटियानी पहाड़ के दर्द और संवेदनाओं को गहराई से समझने वाले कथाकार थे। उन्होंने कथा-साहित्य के साथ-साथ गद्य और सामयिक चिंतन में भी अपनी गहरी छाप छोड़ी। शैलेश मटियानी जी ने भी अपनी कहानियों और उपन्यासों में उत्तराखण्ड के पर्वतीय इलाकों और ग्रामीणों के संघर्ष को शब्दों के माध्यम से पिरोया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राचीन परंपरा से ही गुरु को केवल शिक्षक ही नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पथ प्रदर्शक माना जाता है। वे शिष्यों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नैतिकता और संस्कारों के बीज को रोपित करने का कार्य करते हैं। आज इस डिजिटल युग के बदलते दौर में शिक्षकों की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है, जो हमारे बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति, संस्कार और नैतिक मूल्यों से परिचित कराते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। शिक्षकों के प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए भी विशेष योजनाएं प्रारंभ की हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने का कार्य देश में सबसे पहले उत्तराखण्ड ने किया। राज्य सरकार ने वर्ष 2022 में बाल वाटिकाकी शुरूआत कर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति प्रारम्भ की। उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य बन गया है जहाँ बुनियादी शिक्षा के लिए राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखातैयार की गई है। बच्चों में कौशल, उद्यमिता और भारतीय ज्ञान परंपरा को विकसित करने के लिए कौशलम कार्यक्रमभी प्रारंभ किया गया है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं नवाचारों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के 1340 विद्यालयों में वर्चुअल क्लासें और 950 विद्यालयों में स्मार्ट क्लासें शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सभी जिलों में स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स बनाए जा रहे हैं। इस वर्ष 550 स्कूलों में

व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू कर दिया गया और प्रदेश के 22 हजार प्राथमिक शिक्षकों को टेबलेट प्रदान किए गए है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस वर्ष शिक्षा विभाग में लगभग 9500 भर्तियां की जा रही है।

कार्यक्रम में सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रामन ने सम्मान समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया और सम्मान समारोह की विस्तृत जानकारी दी। अपर सचिव विद्यालयी शिक्षा रंजना राजगुरु ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में स्वर्गीय शैलेश मटियानी के सुपुत्र राकेश मटियानी एवं गीता मटियानी, शिक्षा विभाग के अन्य उच्च अधिकारीगण और पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

देहरादून के विनय कुमार के साथ 32 .30 लाख की साइबर ठगी

देहरादून। राजधानी देहरादून में एक और बड़ा साइबर ठगी का मामला सामने आया है। मोती बाजार निवासी विनय कुमार से अंतरराष्ट्रीय नंबरों से कॉल कर ह्लएफाजोन क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट कम्पनी के नाम पर करीब ?32,30,000 की रकम ठग ली गई। इस घटना की शिकायत विनय कुमार ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, देहरादून में दर्ज कराई है। विनय ने बताया कि वर्ष 2024 में एक महिला स्टेला ने अमेरिका के नंबर से कॉल कर उन्हें एक क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। स्कीम के अंतर्गत दावा किया गया कि हर माह एक निश्चित धनराशि उनके खाते में आएगी। इसके बाद फ्रेंक नामक व्यक्ति, जो कथित रूप से कंपनी का जनरल मैनेजर था, ने संपर्क कर योजना की पुष्टि की। साथ ही राजेश सिंह और संजय कुमार दो अन्य व्यक्तियों नेव्हाट्सऐप के जरिए कंपनी के बारे में जानकारी साझा की और निवेश के लिए भरोसा दिलाया। विनय ने विश्वास में आकर 13 अप्रैल 2024 से लेकर 16 अप्रैल 2025 तक अलग-अलग माध्यमों (आईएमपीएस, एनईएफटी, गूगल पे) से 32,30,000 रुपए विभिन्न खातों में जमा कराए। शुरूआत में एक माह तक कुछ धनराशि विनय के खाते में आई, जिससे उन्हें कंपनी पर विश्वास हो गया, लेकिन बाद में कोई रकम वापस नहीं मिली। ठगी का अंदाजा तब हुआ जब 17 जून 2025 को राजेश सिंह और संजय कुमार ने पुनः मैसेज कर ?2 लाख और मांगे और कहा कि उसके बाद ही लाभ की राशि लौटाई जाएगी। विनय कुमार ने संबंधितव्हाट्सऐप चैट के स्क्रीनशॉट भी पुलिस को सबूत के तौर पर सौंपे हैं।

थाना साइबर क्राइम, देहरादून के प्रभारी निरीक्षक के निर्देश पर एफआईआर पंजीकृत कर ली गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। संबंधित धाराओं में अभियोग दर्ज किया गया है।

उत्तरकाशी में खुली हर्बल चाय प्रोसेसिंग यूनिट

उत्तरकाशी। सीमांत जनपद उत्तरकाशी में ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के तहत दिलसौड़ में हर्बल चाय प्रासेंसिंग यूनिट की स्थापना की गई है। कालेश्वर महादेव स्वायत सहकारिता समूह द्वारा तैयार की जा रही हर्बल चाय को हिलांस हाउस आफ हिमालय ब्रान्ड के तहत विक्रय किया जायेगा। बुधवार को दिलसौड़ गांव में यूनिट का शुभारंभ सीडीओ एसएल सेमवाल ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जनपद की पहली हर्बल चाय प्रोसेसिंग इकाई यूनिट की स्थापना की गई है।

इससे निश्चित रूप से हर्बल प्रोसेसिंग चाय यूनिट ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को सुदृढ़ करेगी ' स्थापित उद्यम में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा सीबकथोर्न, तुलसी, बुरांश, गुलाब तथा ग्रीन टी से विभिन्न ब्लैण्ड्स के साथ हर्बल चाय का तैयार करने का कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने इस मौके पर महिलाओं के साथ बैठक की और जिला परियोजना प्रबन्धक ग्रामोत्थान, रीप परियोजना के दिशा-निर्देशन में उद्यम कार्य वृद्वि, उत्पाद गुणवत्ता नियन्त्रण, विपणन हेतु बेहतर रणनीती की सराहना की।

कहा कि एनआरएलएम. के वित्तीय सहयोग से ग्राम संगठन स्तर पर कार्यालय स्थापना कर रीप परियोजना से आय सर्जन कार्य को संचालित किया जायेगा। वहीं जिला परियोजना प्रबन्धक कपिल उपाध्याय द्वारा सदस्यों को परियोजनान्तर्गत निर्मित संग्रहण केन्द्र, ग्रोथ सेन्टर तथा विभिन्न उद्यम गतिविधियों का लाभ लेते हुए कार्य करने के लिए कहा गया।

मॉक ड्रिल: एम्स में बच्चों के चोरी की सूचना से हड़कंप

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में गुरुवार को अपरान्ह करीब सवा तीन बच्चे महिला प्रसूति वार्ड से बच्चा चोरी होने की सूचना से एम्स प्रशासन और सुरक्षाकर्मियों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में हरकत में आए सुरक्षाकर्मियों ने संस्थान के तीनों एंट्री गेट बंद कर दिए। इसके बाद चले सघन तलाशी अभियान में 15 मिनट बाद बच्चा बरामद कर लिया गया। यह पूरा घटनाक्रम एम्स में मॉक ड्रिल के दौरान हुआ। डिप्टी एमएस डॉ. रवि की निगरानी में इस ड्रिल को अंजाम दिया गया है, जिसमें नर्सिंग स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों समेत 40 कर्मचारी शामिल हुए। जनसंपर्क अधिकारी संदीप कुमार सिंह ने बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य संस्थान की सुरक्षा व्यवस्था को परखना था। इसमें फिलहाल को कोई नहीं मिली। इस तरह की ड्रिल से सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा पुख्ता करने में मदद जरूर मिल रही है। वहीं, एम्स की हॉस्पिटल बिल्डिंग में अचानक हुई इस मॉक ड्रिल को देख पहले, तो मरीज और तीमारदार कुछ समझ नहीं पाए। नर्सिंग स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों के इधर-उधर दौड़ लगाने के दौरान हड़कंप जैसी स्थिति देख वह हैरान दिखे। ड्रिल निपटने के बाद जब धीरे-धीरे इसका पता चला, तो उन्हें यह पूरा माजरा समझ में आया।

अल्मोड़ा में मां नंदा-सुनंदा की डोले की शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

अल्मोड़ा। मां नंदा-सुनंदा के डोले की भव्य शोभायात्रा बुधवार को नगर में धूमधाम से निकाली गई। मां नंदा-सुनंदा को विदाई देने के लिए नगरवासियों के साथ ही दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। दो दिनों से हो रही बारिश के बाद बुधवार को आसमान में हल्के बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई, जिससे मेले में रौनक लौट आई।

जिलाधिकारी द्वारा घोषित अवकाश के चलते बाजारों में सुबह से ही भीड़ जुटने लगी। मेले में पहुंचे बाहर के व्यापारियों के चेहरे, जो बारिश की वजह से पिछले दिनों मायूस थे, भीड़ देखकर खिल उठे। नगर की गलियों, बाजारों और घरों की छतों व बालकनियों से लोगों ने मां नंदा-सुनंदा के डोले के दर्शन किए। जगह-जगह महिलाओं ने पुष्प वर्षा और अक्षत अर्पित कर देवी को भावभीनी विदाई दी, वहीं भक्तों के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। शोभायात्रा से पहले मंदिर परिसर में मां नंदा-सुनंदा की आरती हुई। अपराह्न में शंखध्वनि के साथ डोले की यात्रा प्रारंभ हुई, जो मंदिर से निकलकर बसंल गली, शिखर तिराहा, माल रोड, लोहा शेर, कचहरी बाजार, थाना बाजार, पलटन बाजार, सिद्धनौला होते हुए कैंट और दुगालखोला तक पहुंची।

इस दौरान रास्ते भर दर्शन करने वालों की भीड़ उमड़ी रही। दुगालखोला स्थित भगवती मंदिर, जिसे मां नंदा-सुनंदा का मायका माना जाता है, पहुंचने के बाद देर शाम विधि-विधान से दुगालखोला नौले में मां नंदा-सुनंदा की मूर्तियों का विसर्जन किया गया। पूरे दिन नगर में उत्सव का माहौल बना रहा और भक्तिमय वातावरण में मां नंदा-सुनंदा की विदाई संपन्न हुई। मेले के दौरान पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रही। मेले में व्यवस्था बनाने को जगह जगह पर पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इस दौरान ट्रैफिक भी डाइवर्ट किया गया था।

तमंचे की नोक पर दिल्ली के यात्री से लूट का आरोप, केस दर्ज

रुद्रपुर। दिल्ली से नैनीताल घूमने निकले चार युवकों से रुद्रपुर में तमंचे के बल पर लूट का मामला सामने आया है। आरोप है कि रुद्रपुर निवासी चार युवकों ने देर रात हाईवे पर गाड़ी रोककर मारपीट की और कार समेत नकदी व कागजात लेकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली के ग्राम बरला थाना साबाडेरी निवासी मोहित तोमर पुत्र सुरेंद्र तोमर अपने दोस्त बिट्टू, भूपेन्द्र और संयम कुमार निवासी दिल्ली के साथ नैनीताल घूमने जा रहे थे।

रास्ते में उन्होंने रुद्रपुर निवासी परिचित रजनीश अरोड़ा उर्फ सोनू को फोन कर अपनी यात्रा की जानकारी दी। आरोप है कि बुधवार देर रात जब वह निमार्णाधीन फ्लाईओवर के पास पहुंचे तो वहां रजनीश अपने तीन साथियों संग पहले से मौजूद था। मोहित के अनुसार, युवकों ने हथियारों के बल पर गाड़ी रोककर उन्हें गालियां दीं और जबरन बाहर निकाला। इसके बाद लोहे की रॉड और डंडों से मोहित की पिटाई की गई। आरोपियों में खुद को जग्गा प्रधान, वंश मखीजा और राधेश्याम पंडित बताने वाले युवक शामिल थे।

उनका कहना था कि यह हमला दिल्ली के पुराने विवाद का बदला लेने के लिए किया गया। आरोपियों ने मोहित और उसके दोस्तों को तमंचा रखकर कार, नकदी, आईडी कार्ड और वाहन के कागजात लूट लिए और मौके से फरार हो गए। घायल मोहित ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

कांग्रेस में कलह, गुटबाजी ने तोड़ी हदें, बैठक में हाथापाई और गुत्थमगुत्था

रुद्रपुर। सिटी क्लब में आयोजित कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम में केंद्रीय और राज्य स्तरीय पर्यवेक्षकों के सामने ही कांग्रेस की गुटबाजी खुलकर सामने आ गई। गुरुवार को परिचय बैठक शुरू होने के साथ शुरू हुआ हंगामा कार्यक्रम की समाप्ति पर हाथापाई और गुत्थमगुत्था में बदल गया। गुटबाजी ने अनुशासन की हदें तोड़ दीं। केंद्रीय पर्यवेक्षक ने किसी तरह मामले को शांत किया। इस दौरान कांग्रेस के दो धड़ों ने एक-दूसरे पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। दोनों पक्ष पुलिस चौकी भी पहुंचे और एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर देने की तैयारी में हैं। इधर, अनुशासनहीनता के इस मामले को लेकर केंद्रीय पर्यवेक्षक ने कांग्रेस हाईकमान को रिपोर्ट सौंपने की बात कही है।

वहीं हाथापाई की वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो गई। गुरुवार को रुद्रपुर के सिटी क्लब में एआईसीसी मेंबर डॉ. नरेन्द्र कुमार, पीसीसी सदस्य प्रदीप टम्टा, संजय किरौला और हरेन्द्र बोरा पहुंचे थे। नगर अध्यक्ष के चयन को लेकर कार्यकताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ रायशुमारी के आगामी कार्यक्रम को देखते हुए परिचय बैठक और संगठन की मजबूती के लिए इस बैठक हुई। इसमें बड़ी संख्या में रुद्रपुर महानगर इकाई के कार्यकर्ता, पदाधिकारी, कांग्रेसी पार्षद और जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद थे। यहां लगाए गए फ्लैक्स में किच्छा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री तिकलराज बेहड़ की फोटो न होने पर एक गुट ने विरोध जताते हुए हंगामा किया। इस समय पार्टी पर्यवेक्षक मौजूद नहीं थे।

किसी तरह मामला शांत हुआ। इसके बाद एक गुट ने विजय यादव और संजय जुनेजा को मंच पर पर्यवेक्षकों के माल्यार्पण के लिए बुलाने पर विरोध जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इससे दोनों गुटों में नोकझोंक हो गई। आरोप है कि इस दौरान दूसरे गुट के लोगों ने गाली-गलौज और अभद्रता की। केंद्रीय पर्यवेक्षक डॉ. नरेश कुमार ने मंच से नीचे उतरकर किसी तरह दोनों गुटों को शांत कराया और माल्यार्पण के लिए दूसरे गुट के लोगों को भी मंच पर बुलाया। इसके बाद जैसे ही कार्यक्रम की समाप्ति हुई तो दोनों गुट फिर आमने-सामने आ गए।

हाथापाई हो गई। इसकी वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो गई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। वहीं एक गुट जब चौकी पहुंचा तो इस गुट के राजेन्द्र मिश्रा अचानक बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। उनका आरोप था कि उनके साथ मारपीट की गई और उन्हें अगवा करने का प्रयास किया गया। वहीं दूसरे गुट ने भी उनके पक्ष के तीन लोगों के मारपीट में घायल होने बात कही है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने की अतिवृष्टि के कारण किसानों की फसलों को हुए नुकसान की समीक्षा

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज अपने कैंप कार्यालय में कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर अतिवृष्टि से किसानों की फसलों को हुए नुकसान की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने फसलों को हुए नुकसान की विस्तार से जानकारी ली। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि फसलों के नुकसान का नियमित रूप से सर्वेक्षण कर प्रतिदिन रिपोर्ट मंत्रालय को उपलब्ध कराई जाए। कृषि मंत्री ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि भारत सरकार के मानकों के अनुसार शीघ्र कागजी कार्यवाही पूरी कर किसानों को मुआवजा उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि आपदा से प्रभावित कृषकों को तुरंत राहत मिलना सरकार की पहली प्राथमिकता है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में अतिवृष्टि से औद्यानिक फसलों को 12,272.74 हेक्टेयर क्षेत्रफल में नुकसान हुआ है। इनमें से 33 प्रतिशत से अधिक क्षति श्रेणी में कुल क्षेत्रफल 4,797.49 हेक्टेयर दर्ज किया गया है, जिसमें सिंचित क्षेत्र 1,394.90 हेक्टेयर और असिंचित क्षेत्र 3,402.66 हेक्टेयर शामिल हैं। उत्तरकाशी जिले के भटवाड़ी विकासखंड के धराली ग्रामसभा में औद्यानिक फसलों की क्षति का क्षेत्रफल 6.10 हेक्टेयर दर्ज किया गया।

इसी प्रकार कृषि फसलों को प्रदेश में 339.47 हेक्टेयर क्षेत्रफल में नुकसान हुआ है, जिनमें 33 प्रतिशत से अधिक क्षति की श्रेणी का क्षेत्रफल कुल 45 हेक्टेयर दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह नुकसान भारत सरकार के आपदा मानकों के अनुसार 33 प्रतिशत से अधिक है और मुआवजा वितरण की श्रेणी में आता है। विभागीय अधिकारियों द्वारा यह भी बताया गया कि तराई क्षेत्र में जनपद हरिद्वार और उधमसिंह नगर के खटीमा में खेतों में जल भराव के कारण आंकलन नहीं हो पाया है जो शीघ्र ही किया जाएगा।

कृषि मंत्री जोशी ने अधिकारियों को कहा कि प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकट की इस घड़ी में किसानों के साथ खड़ी है और शीघ्र ही मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बैठक में कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार और निदेशक बागवानी मिशन महेंद्र पाल उपस्थित रहे।

उप जिला चिकित्सालय में निलम्बित स्वास्थ्य कर्मी ने की तोड़फोड़, वीडियो वायरल

रुद्रपुर। उप जिला चिकित्सालय सितारगंज में निलंबित नर्सिंग अधिकारी द्वारा तोड़फोड़ और हंगामा करने का मामला सामने आया है। बुधवार देर रात हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. कुलदीप यादव ने बताया कि नर्सिंग अधिकारी प्रमोद थापा ने तीन सितंबर की रात लगभग 8:45 बजे ड्यूटी कक्ष में तोड़फोड़ की।

इस दौरान उन्होंने अस्पतालकर्मियों से गाली-गलौज करते हुए कपड़े उतार दिए और अभद्रता की। तोड़फोड़ में ड्यूटी कक्ष का दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। अधीक्षक के अनुसार आरोपी अधिकारी पूर्व में भी शराब पीकर अभद्रता और गाली-गलौज कर चुका है। फिलहाल वह निलंबित है और सीएमओ कार्यालय में सम्बद्ध है। डॉ. यादव ने घटना की जानकारी प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को पत्र भेजकर दी है। इधर पुलिस का कहना है कि शिकायत पत्र प्राप्त हो गया है और मामले की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सितारगंज अस्पताल में अव्यवस्थाओं को लेकर पहले भी विवाद खड़े हो चुके हैं।

हाल ही में मरीज को लेकर हुए विवाद में अस्पताल प्रशासन ने सरकारी कार्य में बाधा का मामला दर्ज कराया था। लेकिन बुधवार की घटना में तोड़फोड़ और अभद्रता के बावजूद सरकारी कार्य में बाधा का जिक्र न होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

पार्टी में अनुशासन सबसे जरूरी: राजेश

रुड़की। कस्बा स्थित एक बैंक्वेट हॉल में गुरुवार को कांग्रेस के सर्जन अभियान के तहत कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कांग्रेस आईसीसी के सदस्य एवं पर्यवेक्षक राजेश तिवारी ने जिलाध्यक्ष पद को लेकर कार्यकताओं की रायशुमारी की।

पर्यवेक्षक राजेश तिवारी ने कहा कि पार्टी में अनुशासन सबसे जरूरी है। अनुशासन से ही मजबूत संगठन तैयार होता है। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर मेहनत करनी चाहिए क्योंकि पार्टी की असली ताकत बूथ ही होता है।

अब जिलाध्यक्ष का चयन केवल पदाधिकारी नहीं करेंगे बल्कि कार्यकताओं की राय को भी महत्व दिया जाएगा। आपसी मतभेद के कारण अक्सर अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार को नुकसान उठाना पड़ता है। भगवानपुर विधायक ममता राकेश ने कहा कि कार्यकताओं की रायशुमारी से ही संगठन मजबूत होगा और योग्य व्यक्ति को जिम्मेदारी मिलेगी।

जौनसार की 29 सड़कें बंद, ग्रामीणों की परेशानी बढ़ी

विकासनगर। भूस्खलन और मलबा आने से जौनसार-बावर के 14 मार्गों पर बुधवार को यातायात ठप रहा। लगातार मार्गों के बंद रहने से स्थानीय लोगों को कई परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। जौनसार में कुल 29 सड़कें बंद होने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। मार्ग बंद होने के कारण करीब 130 गांवों मजरों की 60 हजार की आबादी परेशान है। जबकि पछुवादून के बिन्हार क्षेत्र की लाइफ लाइन कही जाने वाली लांघा-मटोगी सड़क पर वाहनों के पहिए जाम होने से 12 गांवों की आबादी बीते तीन दिनों से गांवों में ही कैद होकर रह गई है।

बुधवार को त्यूणी-चकराता-रोहटा खड्डु राष्ट्रीय राजमार्ग और हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाले कोटी-इच्छाड़ी-क्वानू-मीनस मोटर मार्ग समेत ड्यूडलानी-चंदेऊ-कामला, कठंग-सोलंग-झिटाड़, कठंग-सोलंग-भाटगढ़ी, बनियाना मोटर मार्ग, कोठा बैंड-सैंज-चंदेऊ, जगथान मार्ग, गडोल-सकरौल, सुरेऊ-भंजरा, कलान खड्डु-डिमिच, हनोल-चातरा, कांडा-ट्यूटाड़, धौइरा-देऊ मोटर मार्ग पर वाहनों के पहिए जाम रहे। जबकि पछुवादून में कुल्हाल-धौलातप्पड़ मार्ग का बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया है, जिससे ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित हुई है। मार्गों के बंद होने से ग्रामीण कई परेशानियों से जूझ रहे हैं। ब्लॉक और तहसील मुख्यालयों में अपने काम के सिलसिले में उनका जाना मुश्किल हो गया है।

बुजुर्ग ग्रामीण पेंशन और जरूरी दवाइयां लेने के लिए छह से सात किमी की पैदल दूरी नाप रहे हैं। ग्रामीण पगडंडियों और कच्चे संपर्क मार्गों के भी क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणो की परेशानियों में इजाफा हो गया है।

इन मोटर मार्गों पर भी ठप रहा यातायातः लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड देहरादून के लखस्यार-चुनोऊ-कामला, सराड़ी लिंक मार्ग, दादुवा-कितरौली, नराया-तोरली-अष्टाड़-मंगरौली मोटर मार्ग पर यातायात ठप रहा। लोनिवि चकराता के पीआरडी मोटर मार्ग, डिरनाड़-पुरटाड़ मार्ग, निनूस मार्ग, भूट गांव मार्ग, चकराता-लाखामंडल, खारसी मोटर मार्ग, बिरमऊ मार्ग, कोटी-कनासर-बिसनोई, क्यारा पुल और चेतु मोटर मार्ग पर भी वाहनो के पहिए जाम रहे।

लोक निर्माण विभाग के सभी डिवीजन के अधिकारियों को अपने मुख्यालय पर रहने के लिए निर्देशित किया गया है, विभाग पूरी तरह से प्रयासरत है कि बंद मार्गों को यथाशीघ्र खुलवाया जाए। लेकिन लगातार हो रही बारिश से मार्ग खोलने में समस्या आ रही है। काफी मार्गों को दोपहर तक खुलवा भी दिया गया था। - राजेंद्र चंद्र शर्मा, मुख्य अभियंता लोनिवि

जिला प्रशासन द्वारा देहरादून सिटी में स्थापित 13 आधुनिक लांग रेंज इमरजेंसी सायरन का मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

देहरादून की धड़कन ऐतिहासिक धरोहर घंटाघर सौन्दर्यीकरण, 04 स्थानों पर स्थापित हिलांस आउलेट और बच्चों को भिक्षा से शिक्षा में प्रवेश कार्यों का भी होगा लोकापर्ण

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को सायं 6:00 बजे डालनवाला थाने से आपातकालीन परिस्थितियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा देहरादून सिटी में विभिन्न स्थानों पर लगाए गए 13 आधुनिक लांग रेंज इमरजेंसी सायरन का उद्घाटन करेंगे। वहीं सांय 6: 30 बजे घंटाघर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्मार्ट सिटी के अंतर्गत देहरादून घंटाघर सौंदर्यीकरण और देहरादून क्लेक्ट्रेट, कोरोनेशन अस्पताल, गुच्चुपानी व आईएसबीटी में स्थापित 04 आधुनिक हिलांस कैंटीन के साथ ही बाल भिक्षावृत्ति निवारण अंतर्गत बच्चों को भिक्षा से शिक्षा में प्रवेश कार्यो का लोकार्पण भी करेंगे।

मा0 मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर देहरादून जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। जिलाधिकारी सविन बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने शुक्रवार को डालनवाला थाना और घंटाघर दोनों स्थानों पर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को समय से सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि देहरादून में आपातकालीन परिस्थितियों के लिए प्रथम चरण में 13 आधुनिक लांग रेंज इमरजेंसी सायरन लगाए गए हैं, जिनका उद्देश्य नागरिकों को तुरंत चेतावनी देना है। इन सायरनों को पुलिस चौकियों में स्थापित किया गया है और ये विभिन्न स्थानों पर 8 से 16 किलोमीटर तक की दूरी तक आवाज पहुंचा सकते हैं। इनका मुख्य काम आपदा की स्थिति में लोगों को सचेत करना है, ताकि वे सुरक्षित स्थानों पर जा सकें। मुख्यमंत्री शनिवार की सायं 6:15 बजे डालनवाला थाने में आयोजित कार्यक्रम में रिमोट कंट्रोल से इन सभी 13 आधुनिक लांग रेंज सायरन का एक साथ उद्घाटन करेंगे। इस दौरान देहरादून सिटी के सभी स्थानों पर एक साथ सायरन की तीखी आवाज सुनाई देगी। सायरन की आवाज से लोगों में पैनिक न हो इसके लिए लोगों को पहले ही इसकी जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि देहरादून सिटी में पहले चरण में 04 स्थानों पर थाना ऋषिकेश, प्रेमनगर, क्लेमेंटाउन और रायपुर में 16 किलोमीटर रेंज के सायरन लगाए गए है। जबकि थाना डालनवाला, पल्टन बाजार, राजपुर, पटेल नगर, नेहरू कॉलोनी, कैंट, वसंत विहार, पुलिस चौकी बिन्दाल और पुलिस लाइन रेसकोर्स में 08 किलोमीटर रेंज के 09 सायरन लगाए गए है। जिलाधिकारी ने कहा कि दूसरे चरण में विकासनगर, डोईवाला, ऋषिकेश, चकराता एवं अन्य सिटी क्षेत्रों में भी आधुनिक लांग रेंज सायरन लगाने की योजना है।

जिलाधिकारी ने कहा कि शनिवार को सायं 6:30 बजे दूसरा कार्यक्रम घंटाघर में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री स्मार्ट सिटी के अंतर्गत देहरादून घंटाघर के सौंदर्यीकरण कार्यों और देहरादून क्लेक्ट्रेट, कोरोनेशन अस्पताल, गुच्चुपानी व आईएसबीटी में स्थापित 04 आधुनिक हिलांस कैंटीन के साथ ही बाल भिक्षावृत्ति निवारण अंतर्गत बच्चों को भिक्षा से शिक्षा में प्रवेश कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

देहरादून की धड़कन, ऐतिहासिक घंटाघर को जिला प्रशासन द्वारा स्मार्ट सिटी के अंतर्गत इसकी पारंपरिक शैली को बनाए रखते हुए घंटाघर के आसपास बगीचे, रंगीन फव्वारे और हाई बीम लाइटिंग लगाई गई है। जिससे ऐतिहासिक घंटाघर शहर की एक प्रमुख धरोहर के रूप में और भी आकर्षक दिखने लगा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि नागरिकों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन द्वारा

स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से देहरादून क्लेक्ट्रेट, कोरोनेशन अस्पताल, गुच्चुपानी व आईएसबीटी में आधुनिक हिलांस कैंटीन संचालित जा रही है। जिससे कई लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि इन आउटलेट में हैंडीक्राफ्ट सामान के साथ ही पहाड़ी उत्पाद और मिलेड व्यंजन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे लोगों के बीच अच्छी खासी डिमांड देखने को मिल रही और स्वयं सहायता समूहों सहित कई लोगों को अच्छा स्वरोजगार मिल रहा है। भिक्षावृत्ति निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक करीब 56 बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराकर शिक्षा में प्रवेश दिलाया गया है। इन सभी कार्यक्रमों का शनिवार को मुख्यमंत्री जनता को समर्पित करेंगे।

इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) केके मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, एसडीएम हरिगिरी सहित टेंट, बैरिकेडिंग एवं विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़े विभागों के नोडल अधिकारी मौजूद थे।

सरकार जनजाति समाज के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध : मुख्यमंत्री धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में जनजाति कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में चयनित 15 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के साथ ही 15 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विभिन्न विभागीय निर्माण योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि ये सभी परियोजनाएँ न केवल जनजातीय समाज की आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगी। मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी युवा शिक्षक नई पीढ़ी के समग्र विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं।

इस संबंध में सबसे अहम फैसला भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारें केवल दिखावे के लिए ही आदिवासी समाज के विकास की बात किया करती थी, जबकि आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आदिवासी समाज के समग्र विकास के लिए धरातल पर नए - नए कार्य किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने जनजातीय समाज के विकास के लिए दिए जाने वाला बजट को पहले के मुकाबले 3 गुना तक बढ़ाया दिया है। वहीं जनजातीय समाज के लिए एकलव्य मॉडल स्कूल, प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, वन धन योजना, प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन जैसी योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के अंतर्गत उत्तराखंड के 128 जनजातीय गांवों का चयन किया गया है। आज हमारे राज्य में 4 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कालसी, मेहरावना, बाजपुर व खटीमा में संचालित हो रहे हैं, जिसमें जनजातीय समुदाय के छात्रों को निशुल्क शिक्षा एवं हॉस्टल की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसी तरह सीमान्त जनपद पिथौरागढ में भोटिया तथा राजी जनजाति के शैक्षिक उन्नयन के लिये एकलव्य विद्यालय खोलने के लिए अभी हाल ही में केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार भी आदिवासी समाज के कल्याण के लिए अनेकों कार्य कर रही है। जहां एक ओर जनजातीय समाज के बच्चों को प्राइमरी स्तर से स्नातकोत्तर स्तर तक की कक्षाओं में छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वहीं, राज्य में 16 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का संचालन भी किया जा रहा है। इसके साथ ही, जनजाति समाज के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रदेश में तीन आईटीआई संस्थानों का संचालन किया जा रहा है। जनजाति समाज के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग की निःशुल्क व्यवस्था के साथ ही छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के कार्यों से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार भी उत्तराखंड के सांस्कृतिक मूल्यों और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसके लिए प्रदेश में सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून लागू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 9 हजार एकड़ से अधिक की सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। इसके साथ ही, उत्तराखंड में देश में सबसे पहले समान नागरिक संहिता कानून को लागू किया गया है, लेकिन जनजातियों की परम्पराओं रीति रिवाजों के संरक्षण के लिए सभी अनुसूचित जनजातियों को इस संहिता से बाहर रखा है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जनजातीय शोध संस्थान में सौन्दर्यीकरण तथा बालिकाओं के लिए हाईटेक शौचालय ब्लॉक का निर्माण, आदि लक्ष्य संस्थान में डाइनिंग हॉल का निर्माण कराए जाने की घोषणा की है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, उमेश शर्मा काऊ, सविता कपूर, दलीप सिंह रावत, प्रमोद नैनवाल, अध्यक्ष जनजाति आयोग लीलावती राणा, सचिव समाज कल्याण श्रीधर बाबू अद्दांकी, निदेशक जनजाति कल्याण संजय टोलिया, निदेशक समाज कल्याण चंद्र सिंह धर्मशक्तू एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित हुए।

बारिश से जीवनगढ़ में छह मकान हुए ध्वस्त

विकासनगर। पछुवादून में लगातार हो रही बारिश बुधवार को तो थम गई, लेकिन कई गांव के लोगों की मकान ध्वस्त हो गए, गृहस्थी उजड़ गई, तो किसानों की फसल बर्बाद होने से उनके सामने भी परिवार के पालन पोषण का संकट पैदा हो गया। प्रभावित लोगों के मुसीबतों के अलावा और कुछ नहीं बचा है। सरकारी विभागों को भी 13 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। पिछले तीन दिनों से हो रही भारी बारिश ने जमकर तबाही मचाई है।

जब बारिश थमी, तो बबार्दी का मंजर दिखने लगा। भारी बारिश से जीवनगढ़ में मंगलवार रात छह मकान ध्वस्त हो गए। जबकि रामगढ़ में एक मकान भरभराकर गिर गया। प्रभावित शाहिना, खुर्शीद, जैबुन निशा, धर्मू ने बताया कि रात के अंधेरे में उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के साथ भागकर जान बचाई, जिसके बाद पूरी रात खुले आसमान के नीचे गुजारनी पड़ी। घर टूटने से उसके अंदर रखा गृहस्थी का सामान बर्बाद हो गया। जो घर दो दिन पहले तक हंसता खेलता था वो आज वीराने में तब्दील हो गया।

बारिश थमने के बाद जब खंडहर हो चुके घरों की ओर वापस लौटे तो कपड़े, अनाज समेत गृहस्थी का सारा सामान बर्बाद हो चुका था। अब उनके सामने बिखरी हुई गृहस्थी को नए सिरे से जोड़ने का संकट पैदा हो गया है। फसल और पशुधन भी नुकसान लगातार बारिश ने किसानों की सब्जी की फसल पूरी तरीके से बर्बाद कर दी है।

जौनसार के किसान सोनू चौहान ने अपने खेत में हाइब्रिड खीरे की खेती शुरू की थी, लेकिन खेत में बारिश के चलते अधिक पानी भरने से पूरी फसल सड़ गई और उनको 60 हजार रुपये से लेकर 80 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं कुछ किसानों की बैंगन की खेती भी पूरे तरीके से बारिश के चलते बर्बाद हो गई है। भारी मात्रा में मलबा आने से सेब, नींबू, पोलम के बगीचे नष्ट हो गए हैं। पछुवादून में बारिश से धान की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की बारिश के चलते बर्बाद हुई फसल सरकार की ओर से किसी भी तरह का कोई भी मुआवजा अभी तक नहीं मिल पाया है।

इसके साथ ही जौनसार में कई छानियों के ध्वस्त होने से पशुपालकों को भारी नुकसान हुआ है। विभागों को भारी नुकसान आपदा प्रबंधन के आंकड़ों के अनुसार, बारिश ने सरकारी विभागों को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। खंड विकास विभाग चकराता को 566.60 लाख, कालसी को 375.95 लाख, सहसपुर ब्लॉक को 221.35 लाख और खंड विकास विकास विभाग विकासनगर को अभी तक 167.58 लाख की संपत्तियों का नुकसान हुआ है।

जबकि पीएमजीएसवाई कालसी को 673.10 लाख का नुकसान हुआ है। बारिश से लोगों की निजी संपत्तियों को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रभावितों को प्रशासन की ओर से त्वरित सहायता मुहैया करा दी गई है। जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं उन्हें सुरक्षित स्थानो पर शरण दी जा रही है। विनोद कुमार, एसडीएम

राशन की आड़ में पशु तस्करी करने वाले तीन गिरफ्तार

रुड़की। नारसन बॉर्डर पर पुलिस ने राशन की आड़ में दो पशुओं को क्रूरतापूर्वक में ले जाए जाते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने वाहन को सीज करते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने गुरुवार तड़के सुबह करीब

चार बजे नारसन बॉर्डर पर सघन चेकिंग शुरू की। एक छोटा हाथी वाहन को संदिग्ध अवस्था में देखकर रोका गया।

वाहन चालक और उसके दो साथियों ने पुलिस को बताया कि वे कलियर उर्स मेले में लंगर के लिए राशन की सप्लाई ले जा रहे हैं। हालांकि, पुलिस को उनके दावे पर संदेह हुआ और वाहन की तलाशी ली गई। जब पुलिस ने वाहन का तिरपाल हटाकर तलाशी ली तो राशन की बोरियों के नीचे दो पशु दयनीय स्थिति में दबे हुए पाए गए। पशुओं को तंग जगह में बांधकर रखा गया था, जिससे उनकी हालत अत्यंत खराब थी।

पुलिस ने पशुओं को वाहन से बाहर निकाला और उन्हें चारा–पानी उपलब्ध कराया। इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम वसीम, कादिर और इनायत निवासी खालापार मुजफ्फरनगर है। वाहन को सीज करते हुए पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पछुवादून में हर्षोल्लास के साथ मनाया शिक्षक दिवस

विकासनगर। पछुवादून के स्कूलों में गुरुवार को शिक्षक दिवस के उपलक्ष में कविताएं, भाषण, गीत, नृत्य आदि आयोजित हुए। कई जगहों पर विद्यार्थियों ने शिक्षकों की भूमिका निभाते हुए कक्षाएं भी संचालित की और शिक्षण कार्य का अनुभव लिया। शिवालिक एकेडमी में शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सर्वप्रथम विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी त्यागी ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद बच्चों ने मनमोहक नृत्य और नाटक प्रस्तुत कर सभी का हृदय जीत लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा पुराने गीतों की प्रस्तुति रही।

जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। विद्यालय के डांस शिक्षक प्रकाश राणा ने भी शानदार नृत्य प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। शिक्षकों के लिए म्यूजिकल चेयर गेम का आयोजन किया गया। जिसमें सुषमा विजेता रहीं। प्रियांशी ने शिक्षक दिवस पर प्रभावशाली भाषण दिया तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और उनके विचारों की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या ने सभी विद्यार्थियों का धन्यवाद करते हुए शिक्षक दिवस पर उन्हें आगे बढ़ने और सदैव ज्ञानार्जन के पथ पर चलने का संदेश दिया।

द एनफील्ड स्कूल में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और कृतज्ञता का माहौल दिखाई दिया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय प्रधानाचार्य ओपी चुग ने दीप जलाकर किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए उनके योगदान को याद किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने कविताएं, भाषण, गीत, और नृत्य प्रस्तुतियां देकर शिक्षकों के मार्गदर्शन की भूमिका को उजागर किया। शिक्षिका कीर्ति चौहान ने शिक्षक दिवस पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी गई। विद्यालय के प्राचार्य ओपी चुग ने अपने संबोधन में शिक्षकों को समाज का सच्चा निमार्ता बताते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सदैव अपने गुरुओं का सम्मान करें और उनके बताए मार्ग पर चलें। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य ओपी चुग, मुख्य अतिथि संदीप मोंगा ,ऊषा चौहान, रेखा चावला, पुनीता बडोनी, रेन भट्ट, सोनिया चौहान, विजय लक्ष्मी, वंशिका, प्रदीप, साहिल, राहुल, अंकित, जवाहर आदि सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

द हिमालयन इंटरनेशनल स्कूल, विकासनगर में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया और शिक्षक–विद्यार्थी संबंधों की गहराई को दर्शाया। कार्यक्रम में कमेटी सदस्य बलवीर चंदेल, रेनू चंदेल, रिश्वल चंदेल, अनामिका पराशर, अक्षत पराशर , विद्यालय के प्राचार्य पंकज शर्मा, एडमिनिस्ट्रेटर श्वेतलाना, चित्रा बिष्ट अंजु, सोनिया, चंद्रकला, दीपिका जसवाल ,अल्पना, गुरप्रीत , सुदेश कुमार, पूनम, अभिषेक, मोनिका धीमान आदि उपस्थित रहे।

द इंडियन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। छात्रों ने गीत, भाषण तथा नृत्य से सभी का मन मोहा। साथ ही सभी शिक्षकों को तिलक लगाकर उनका आशीर्वाद लिया और सभी शिक्षकों को उपहार भी दिए। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य अनिल कुमार वोहरा ने कहा कि एक शिक्षक छात्रों का मार्गदर्शक होता है। वह उनका भविष्य संवारने में अहम भूमिका निभाता है।

थार्ती गांव पहुंचकर विधायक शाह ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की नैलचामी पट्टी के थार्ती ग्राम पंचायत के अनुसूचित जाति बस्ती में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का विधायक शक्ति लाल शाह ने जायजा लेते हुए प्रभावित परिवारों को सरकार की ओर से बेहतर से बेहतर सुविधा का आश्वासन दिया। कहा कि गांव में 15 परिवारों के विस्थापन को पूर्व में ही स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि 50 से 55 परिवार अभी खतरे में हैं। जिनका विस्थापन किया जाना है।

इसके लिए जल्द ही प्रशासन के साथ मिलकर जगह का चयन करेंगे। बीते दिवस अतिवृष्टि से थार्ती के सरमोली गांव में जमकर नुकसान हुआ था। कई परिवारों के घरों पर बड़ी–बड़ी दरारें पड़ गई हैं। जिससे लोग दहशत में जीने को मजबूर हैं। गुरुवार को विधायक शक्ति लाल शाह ने गांव पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया। विधायक ने कहा कि अनुसूचित जाति के उक्त परिवारों के पास एक इंच भी जमीन नहीं है। जिस कारण उनके विस्थापन के लिए जमीन की व्यवस्था करनी है। कहा कि इसके लिए डीएम को जरूरी निर्देश दिए हैं।

शनिवार को डीएम को घनसाली बुलाकर समीक्षा बैठक की जाएगी। उन्होंने तहसील प्रशासन को गांव में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मूलभूत समस्याओं को तत्काल हल करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि जल्द ही केंद्र टीम उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेने आ रही है। टीम को घनसाली का भ्रमण कराकर समस्याएं बताई जाएंगी।

वहीं ग्राम प्रधान दिनेश सिंह गुसाईं ने बताया कि गांव के मोहन लाल, सोहन लाल, मकान लाल, गोविंद लाल, कुंदन लाल, सुनील, रघुवीर लाल, वीरेंद्र लाल, मोहन पुत्र बीर दास, केदार लाल, कुंदन लाल पुत्र श्याम दास सहित 50 से अधिक परिवार के मकानों में भूस्खलन से लंबी–लंबी दरारें पड़ गई हैं। जिस कारण वे दहशत में जीने को मजबूर हैं। जल्द गांव का विस्थापन किया जाए। इस मौके पर यशवंत सिंह गुसाई, हिम्मत सिंह राणा मौजूद थे।

उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में सफारी अगले आदेश तक बंद

नैनीताल। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब आम जनजीवन के साथ–साथ पर्यटन गतिविधियों पर भी पड़ रहा है, इसी कड़ी में विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में प्रशासन ने बड़ी सावधानी बरतते हुए डे–सफारी को अगले आदेश तक बंद करने का निर्णय लिया है। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस समय पार्क के गर्जिया पर्यटन जोन, ढेला पर्यटन जोन और झिरना पर्यटन जोन में डे सफारी का संचालन किया जा रहा है, जहां पर्यटक सुबह और शाम की पाली में जंगल सफारी का आनंद लेते हैं लेकिन लगातार हो रही बारिश और प्रशासन द्वारा जारी अलर्ट को देखते हुए पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए सफारी को फिलहाल गुरुवार से रोकने का फैसला लिया गया है।

डॉ. बडोला ने बताया कि आज भी जिला प्रशासन ने भारी बारिश के चलते अलर्ट जारी किया था, इसी कारण सुबह की पाली में सफारी का संचालन नहीं किया गया, उन्होंने साफ कहा कि मौजूदा मौसम की स्थिति बेहद अनिश्चित है, ऐसे में किसी भी प्रकार का जोखिम उठाना सही नहीं होगा,पार्क प्रशासन अब मौसम में सुधार होने और हालात सामान्य होने के बाद ही सफारी संचालन बहाल करने पर विचार करेगा।

उन्होंने बताया कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में हर साल लाखों देशी–विदेशी पर्यटक आते हैं और सफारी के दौरान यहां बाघ, हाथी, गुलदार समेत कई दुर्लभ वन्यजीवों को देखने का रोमांचक अनुभव प्राप्त करते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में जंगल की पगडंडियां फिसलन भरी हो जाती हैं और नदी–नाले अचानक उफान पर आ जाते हैं। ऐसे में पर्यटकों के साथ–साथ सफारी वाहनों के लिए भी खतरा बढ़ जाता है।

अधिकारी ने कहा कि पार्क प्रशासन का मानना है कि सुरक्षा से बड़ा कोई विकल्प नहीं हो सकता है, इसी वजह से सफारी को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। बडोला ने यह भी कहा कि मौसम की निगरानी लगातार की जा रही है और जैसे ही हालात सामान्य होंगे, सफारी को फिर से शुरू किया जाएगा।

बता दें कि बारिश से सफारी बंद होने का सीधा असर पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों पर भी पड़ता है। गाइड, जीप संचालक, होटल और रिसॉर्ट व्यवसायी इस दौरान आय से वंचित हो जाते हैं, हालांकि स्थानीय लोग भी मानते हैं कि जान–माल की सुरक्षा से बड़ा कोई पहलू नहीं है, इसलिए प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया जा रहा है।

बालाजी एक्शन कंपनी ने शिक्षकों को किया सम्मानित

रुद्रपुर। शिक्षक दिवस पर बालाजी एक्शन कंपनी ने शिक्षकों को सम्मानित किया। गुरुवार को सरस्वती शिशु मंदिर सितारगंज में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे कंपनी के डीजीएम अभिषेक श्रीवास्तव ने शिक्षकों को गिफ्ट देकर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक मोमबत्ती की तरह है, जो खुद जलकर बच्चों की जीवन में रोशनी भरता है। शिक्षक समाज के निमार्ता होते हैं।

इस दौरान कंपनी की टीम ने विद्यालय का निरीक्षण कर कंपनी सीएसआर फंड से विद्यालय को विकसित करने का आश्वासन दिया। यहां डॉ. जितेंद्र, नरेश कंसल, शिवपाल सिंह चौहान, पवन बड़सीवाल, गिरीश, चंद्रभान, प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह बिष्ट मौजूद रहे। इधर, बालाजी एक्शन कंपनी ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय सिद्ध गर्ब्याग के समस्त अध्यापकों करुणेश जोशी प्रधानाध्यापक, दीप्ति आर्या सहायक अध्यापक, ओमप्रकाश सहायक अध्यापक, सोनम, सहायक अध्यापिका और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गंगा देवी को विद्यालय में आकर सम्मानित किया गया।

जोनल हेड अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय में हो रहे जलभराव की समस्या के निदान हेतु इंटरलॉक टाइल लगवाने की घोषणा की और यह काम जल्द ही शुरू करने का आश्वासन दिया गया। विद्यालय में वर्तमान में 75 छात्र छात्राएं अध्यनरत हैं। कंपनी ने सभी छात्र–छात्राओं को कॉपी, पेंसिल, बैग, जूते, स्वेटर देने की भी घोषणा की गई। प्रधानाध्यापक करुणेश जोशी ने कंपनी के समस्त अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया।

12 सालों बाद कालीमाई की दिवारा यात्रा की होने लगी तैयारी

रुद्रप्रयाग। सिद्धपीठ कालीमठ की दिवारा यात्रा की तैयारियां होने लगी है। कालीमठ मंदिर में दिवारा यात्रा को लेकर श्री कालीमाई पंचगांई समिति का पुर्नगठन किया गया है जिसमें आगामी समय में होने वाली यात्रा को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी गई। उत्तराखंड की धार्मिक और पौराणिक दिवारा यात्राओं में कालीमाई की दिवारा यात्रा का अपना अलग ही महत्व है। कालीमठ क्षेत्र में स्थित पांच गांव कविल्ठा, ब्यूंखी, कुणजेठी, जग्गी, बेडुला और कालीमठ के लोगों की देखरेख में इस दिवारा यात्रा का आयोजन होता है। बुधवार को सर्वसम्मति से श्री कालीमाई पंचगांई समिति कालीमठ का पुर्नगठन किया गया जिसमें इस समिति के अध्यक्ष पद के लिए प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता एवं रंगकर्मी लखपत सिंह राणा को चुना गया है।

इस यात्रा का शुभारंभ मां भगवती के अपने गोठ (गांवों) से होगा। यह यात्रा प्रारंभ होने वाले वर्ष से अगले पांच वर्षो तक निरंतर जारी रहेगी। इस दीर्घकालीन यात्रा के बाद पवित्र त्रिवेणी संगम पर स्नान कर महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। यज्ञ की पूणार्हुति के बाद मां भगवती पुनः अपने मंदिर में विराजमान होंगी। इस पावन यात्रा के आयोजन का प्रत्येक 12 वर्षों में होने वाली यह सनातन परंपरा अत्यंत ही श्रद्धा एवं भक्ति के साथ निभाई जाती है।

समिति के संचालन के लिए आचार्य सुरेशानंद गौड़ को मंत्री पद पर नियुक्त किया गया है, जबकि अन्य पदों पर सुदर्शन राणा, आशीष राणा, दिलबर रावत, रविंद्र राणा, रमेश चंद्र भट्ट, पुष्कर राणा, देवेंद्र सिंह राणा, शिवराज सिंह राणा, जयपाल कोठियाल, प्रेम सिंह पवार, योगेंद्र सिंह राणा, दिनेश धर्मवाण, दीपक राणा, प्रबल सिंह रावत, बचन सिंह रावत, योगेंद्र सिंह रावत, परमानंद गौड़, संदीप राणा, राजेंद्र असवाल, कुंवर सिंह राणा, दिलबर सिंह असवाल, राजेंद्र सिंह राणा, गजपाल सिंह चौहान, सूरज सिंह राणा, प्रदीप सिंह राणा, अनूप सिंह राणा, प्रबल सिंह राणा, प्रेम सिंह राणा, दिनेश सिंह राणा, जसपाल सिंह रावत, जगदीश कोटवाल, विनोद कोटवाल, प्रदीप सिंह राणा, कुलदीप रावत, बलबीर सिंह रौथाण, भगवान सिंह राणा, प्रदीप सिंह राणा, सीमा रावत, बिंदु देवी, मनवर सिंह रावत, वीरेंद्र सिंह रावत, शिवराज सिंह राणा, राम सिंह रावत, सरोज राणा, गोपाल सिंह राणा, सदानंद कोटवाल आदि को जिम्मेदारियां सौंपी।

इस मौके पर समिति के अध्यक्ष लखपत राणा ने सभी ग्रामीणों का आभार जताया। कहा कि समिति की प्रथम प्राथमिकता श्री बद्री केदार मंदिर समिति के साथ मिलकर मां काली की देवरा यात्रा के भव्य आयोजन और पंचगांई क्षेत्र के हक–हकूकों के संरक्षण के लिए कार्य करना होगी। भविष्य में समिति श्री बद्री केदार मंदिर समिति के साथ समन्वय स्थापित करेगी। ताकि देवरा यात्रा के सुचारु एवं भव्य आयोजन की तैयारी हो सके।

आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करेंगे : कांग्रेस

देहरादून। कांग्रेस एआईसीसी के आब्जर्वर बीएम संदीप ने कहा कि उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने व आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का पूरा प्रयास किया जायेगा। कहा कि मतदान का अधिकार छीनने का कार्य भाजपा कर रही है जिसे कामयाब नहीं होने दिया जायेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी को पकड़ा है व बैंगलुरू के महादेव पुरा की विधानसभा में एक लाख से अधिक फर्जी मतों को पकड़ा है। आरोप लगाया कि बिहार में 65 लाख लोगों का मतदान का अधिकार छीनने का कार्य भाजपा ने किया है। बुधवार को मसूरी में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस एआईसीसी के आब्जर्वर बीएम संदीप ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे व वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पूरे देश में कांग्रेस को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव करना है उसमें सभी कार्यकताओं से राय ली जा रही है। उन्होंने कहा कि वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान जनता का अभियान बन गया। डा. अंबेडकर के नेतृत्व में पहले दिन से ही संविधान में वोट देने का अधिकार सभी को मिला था जबकि अमेरिका, फ्रांस स्वीटजरलैंड में संविधान बनने के कई सालों बाद मतदान का अधिकार महिलाओं को दिया गया था। लेकिन भाजपा व आरएसएस मतदान का अधिकार छीनने का कार्य कर रही है। बिहार में 65 लाख मतदाताओं को मतदान सूची से बाहर कर संविधान का घोर उल्लंघन किया है। बीजेपी हमेशा संविधान के विरोध में बात करती है और अब पूरे देश में भाजपा के खिलाफ माहौल बन रहा है। कांग्रेस के आब्जर्वर नवीन जोशी ने कहा कि कांग्रेस पूरे राज्य में कांग्रेस को मजबूत करने का प्रयास कर रही है। उत्तराखंड में सभी ने जिला पंचायतों के चुनाव में देखा होगा कि किस तरह से किडनेपिंग की गयी, जीते प्रत्याशियों को किडनेप किया गया, जिला पंचायत अध्यक्ष किस तरह बनाये यह भी राज्य की जनता ने देखा है।

उन्होंने कहा कि मसूरी में भी जिलाध्यक्ष की रायशुमारी करने मसूरी आये हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में अपराध बढ़े हैं, आपदा में कितनों की मौत हुईख कितना नुकसान हुआ इसकी जानकारी आज तक नहीं दी गयी। उन्होंने कहा कि सेना, आईटीबीपी, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ बधाई की पात्र है जिन्होंने लोगों को बचाने का कार्य किया। केंद्र सरकार उत्तराखंड को आपदा प्रदेश घोषित करे व विशेष पैकेज दे ताकि आपदा से निपटा जा सके। कांग्रेस की महामंत्री गोदावरी थापली ने कहा कि प्रदेश में लगातार महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं।

अंकिता भंडारी का मामला अभी तक नहीं सुलझा है, महिला कांग्रेस भी विरोध प्रदर्शन करेगी।महिलाओं ने देश को आजाद कराने से लेकर राज्य बनाने में अहम योगदान दिया है। विगत दिवस भाजपा ने कांग्रेस कार्यालय पर हमला किया निंदनीय है। आरोप लगाया कि भाजपा लगातार भ्रष्टाचार में लिप्त है। आगामी विधानसभा में कांग्रेस जिसे टिकट देगी उसे पूरी ताकत से जिताने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित गुप्ता, सुमित राठौर, महिमानंद, मेघ सिंह कंडारी, नागेंद्र उनियाल, आबजर्बर विरेंद्र पोखरियाल, जगदीश चौहान, पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला, पूर्व पालिकाध्यक्ष मनमोहन सिंह मल्ल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष जसबीर कौर, महेश चंद आदि मौजूद रहे।

शिविर में 70 शिकायतें दर्ज, 45 शिकायतों का मौके पर समाधान

विकासनगर। ब्लॉक क्षेत्र की होरावाला पंचायत में बुधवार को सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत बहुउद्देश्यीय शिविर आयोजित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी परेशानियां अधिकारियों के सामने रखीं। इनमें मुख्य रूप से सड़क, पेंशन, स्वास्थ्य, अवैध कब्जे और पानी की आपूर्ति से संबंधित कुल 70 शिकायतें दर्ज की गईं। शिविर में शिरकत कर रहे विधायक सहदेव पुंडीर ने मौजूद विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे जन समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और उनका उचित समाधान जल्द निकालें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए।

शिविर में उद्यान, कृषि, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, समाज कल्याण, स्वास्थ्य विभाग समेत कई विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी और लाभ वितरित किया। ग्रामीणों ने कुल 70 समस्याएं प्रस्तुत कीं, जिनमें से 45 का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। शेष समस्याओं पर जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए गए। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार ये शिविर दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं, जो आम नागरिक छोटे मोटे कामों के लिए सरकारी कार्यालयों में चक्कर लगाते फिर रहे थे उनकी समस्याओं का समाधान ऑन स्पॉट करने के लिए सरकार ने यह व्यवस्था लागू की है।

बताया कि ह्यसरकार जनता के द्वार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत उन नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है, जो जिला मुख्यालय तक नहीं पहुंच पाते। इस कार्यक्रम के माध्यम से त्वरित समाधान किया जा रहा है और केंद्र तथा राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी ग्रामीणों को जानकारी दी जा रही है।

विधायक ने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जो भी शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं, उनका समाधान तत्परता से किया जाए, और इसमें कोई भी लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने अधिकारियों को जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए उनके बीच जाने को कहा। इस दौरान ग्राम प्रधान सोनिया, राजकुमार, कुलदीप, अमित, खुर्शीद, अजीज, मनोज तिवारी, राजेश नौटियाल, सुमेर चंद, विजय नौटियाल, प्रदीप, देवेंद्र भट्ट, संजय नौटियाल, सपना शर्मा, समीना बेगम, रामेश्वरी देवी आदि मौजूद रहे।

वन विभाग के अधिकारियों को दिये भालू को आदमखोर घोषित करने निर्देश

देहरादून। श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के थलीसैंण विकासखण्ड में कई गांवों में भालू ने आतंक मचा रखा है। साथ ही ग्रामीणों की मवेशियों को निरंतर निवाला बना रहा है। इसके अलावा क्षेत्र में स्कूली बच्चों तथा आम जनमानस की जानमाल की सुरक्षा को देखते हुये भालू को आदमखोर घोषित कर अंतिम विकल्प के रूप उसे मारने के निर्देश दे दिये गये हैं।

सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में आज यमुना कालोनी स्थित उनके शासकीय आवास वन विभाग की बैठक हुई, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बैठक में गढ़वाल वन प्रभाग की पैठाणी रेंज के अंतर्गत कुण्डिल, कुचोली, सौंठ, कठयूड़, कुठ और खण्डतल्ला गांवों में भालू के आतंक पर चर्चा की गई और ग्रामीणों को भालू से निजात दिलाने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिये।

बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा बताया गया भालू द्वारा स्थानीय लोगों की मवेशियों को निरंतर निवाला बनाया जा रहा है। अब तक दो दर्जन से अधिक मवेशी भालू के शिकार हो गये हैं। साथ ही स्कूली बच्चों व आम लोगों को भी जान का खतरा बना हुआ है।

बैठक में कैबिनेट मंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को भालू के आतंक से निजात दिलाने के निर्देश दिये। जिसके क्रम में प्रमुख वन संरक्षक (वन्य जीव) ने अंतिम विकल्प के रूप भालू को नष्ट के आदेश जारी कर दिये हैं।

निर्णय के मुख्य बिंदुः

*** प्रभावित क्षेत्रों में सबसे पहले पिंजरे लगाकर भालू को सुरक्षित पकड़ने का प्रयास किया जाएगा।**

*** असफल होने की स्थिति में ट्रैंक्यूलाईज कर पकड़ने की कार्यवाही की जाएगी।**

*** यदि सभी प्रयास नाकाम साबित होते हैं तो ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अंतिम विकल्प के रूप में भालू को नष्ट करने की अनुमति दी गई है।**

*** कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा ह्यग्रामीणों और बच्चों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता भयमुक्त जीवन जी सके,**

*** बैठक में अपर सचिव वन सी रवि शंकर, प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार मिश्रा, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।**

सिविल अस्पताल में मजबूत हो रहीं स्वास्थ्य सेवाएं: बत्रा

रुड़की। सिविल अस्पताल रुड़की के सभागार में गुरुवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन द्वारा ओएनजीसी के सीएसआर सहयोग से अस्पताल को चिकित्सा उपकरण प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप बत्रा ने कहा कि रुड़की का सिविल अस्पताल प्रदेश के श्रेष्ठ अस्पतालों में से एक बनता जा रहा है।

यहां की स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर मजबूत हो रही हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल का आईसीयू वार्ड अब पूरी तरह तैयार हो चुका है, जिससे गंभीर रोगियों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन के योगदान की सराहना की और कहा कि इससे अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर.के. सिंह, सीएमएस डॉ. ए.के. मिश्रा, नीरज कुमार शर्मा, चंदन, सुशील और साजन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी मनोज नवानी, दीपक जोशी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक वीना जोशी द्वारा देवभूमि प्रिन्टर्स, सरस मार्केट, हल्द्वानी, नैनीताल रोड, (नैनीताल) से मुद्रित एवं 12, बसन्त विहार छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित।

सम्पादक : वीना जोशी

सभी विवादों का निपटारा हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होगा। प्रकाशित समाचारों के लिए प्रेस